12. बच्चे चले क्रिकेट खेलने

बच्चे मैच देख रहे थे। वे बहुत खुश थे। टीम का कप्तान बोला- ''रमेश अब तुम्हारी बैटिंग है, जीत के लिए और दस रन चाहिए। इसलिए समझदारी से खेलना। महेश की बॉलिंग में खेलना मुश्किल है। उसने अब तक चार विकेट लिए हैं।''

रमेश ''हाँ-हाँ'' कहते हुए खड़ा हो गया। ग्लॉव्ज पहना। बैट पकड़ा और क्रीस पर पहुँचा।

श्रीनु, वासु, रवि, अली, जानी सब महेश के पास पहुँचे। सब महेश को कुछ बता रहे थे। महेश ने तेज़ी से बाउंसर गेंद फेंकी। रमेश ने बल्ला घुमाया। और

SCERT TELANGANA

गेंद हवा में। गेंद बॉउंड्री लाइन के पार। सबने तालियाँ बजायीं। रमेश का हौंसला कुछ और बढ़ा। वह अगली गेंद का सामना करने के लिए तैयार था। लेकिन यह क्या...? गेंद रमेश के पैर पर ही आ लगी। महेश ज़ोर से चिल्लाया- ''अम्पायर...!'' अम्पायर ने इशारे से ''ना'' कहा।

महेश ने अगली गेंद डाली। रमेश ने बल्ला भी घुमाया। लेकिन गेंद बल्ले पर नहीं आयी। सीधे विकेट पर गयी और स्टंप्स उखड़ गये। महेश खुशी से उछल पड़ा।

अगला बैट्समैन खुद कप्तान विजय था। वह क्रीस पर पहुँचा। उसने अपनी नज़र आगे-पीछे और दायें-बायें दौड़ायी। बैटिंग करने के लिए तैयार। तभी ज़ोरदार बारिश शुरू हुई। बारिश इतनी हुई, इतनी हुई, इतनी हुई कि.....

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. कहानी में आगे क्या हुआ होगा?
2. विजय रमेश को क्या समझा रहा था?
3. अगर तुम टीम के कप्तान होते तो क्या करते?

पढ़ो

(अ) पढ़िए-बताइए।

1. किसने चार विकेट लिए?
2. किसने चार रन बनाये?
3. रमेश की टीम का कप्तान कौन था?

(आ) इसमें क्रिकेट से संबंधित शब्द कौन-से हैं? पहचानकर '◯' लगाइए।

मैच	बैटिंग	रन	बारिश	बॉलिंग
मुश्किल	ओवर	आउट	कप्तान	ग्लॉव्ज
बैट	क्रीज	बाउंसर	बल्ला	बॉउंड्री-लाइन

(इ) नीचे कुछ खेलों के चित्र दिए गए हैं।

हॉकी

टेनिस

शतरंज

कैरम

कबड्डी

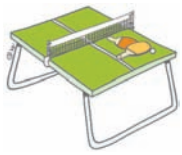

टेबल टेनिस

SCERT TELANGANA

अब बताइए।

बाहर खेलते हैं	अंदर खेलते हैं।
हॉकी	टेबल टेनिस
.....	.....
.....	.....

(ई) **इन्हें भी जानिए।**

बैटिंग	-	बल्लेबाजी
बॉलिंग	-	गेंदबाजी
टीम	-	दल
कैप्टन	-	कप्तान
ग्लौव्ज	-	दस्ताना
फील्डर	-	क्षेत्ररक्षक
नॉट आउट	-	नाबाद

खिलाड़ी के गुण

- *बहादुर*
- *नियम पालन*
- *संवेदनशील*
- *मेहनती*
- *चुस्त*
- *शांत*
- *सतर्क*
- *विनोदी*

लिखो

(अ) खिलाड़ी में क्या-क्या गुण होने चाहिए। आप अपने में किन अच्छे गुणों का विकास करना चाहेंगे? लिखिए।

खिलाड़ी के गुण	मेरे गुण
.....	.....
.....	.....
.....	.....

SCERT TELANGANA

(आ) नीचे दिए संकेतों के आधार पर वाक्य बनाइए।

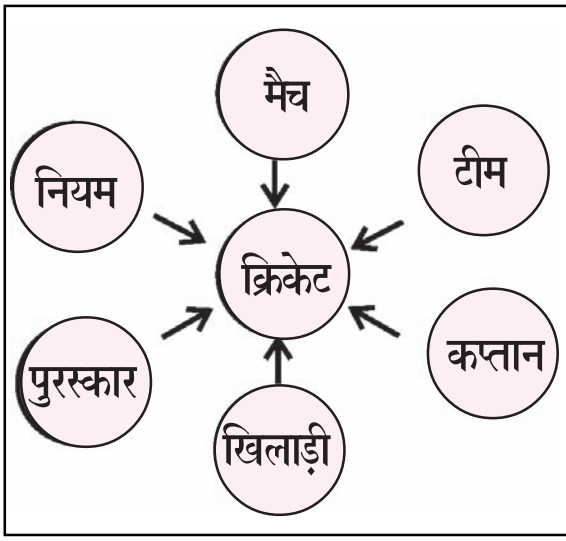

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(इ) गेंद और बल्ला आपस में क्या बातचीत कर रहे हैं? सोचकर लिखिए।

गेंद : बल्ला भैया, कैसे हो?

बल्ला : मैं ठीक हूँ। तुम कैसी हो?.....

गेंद :

बल्ला :

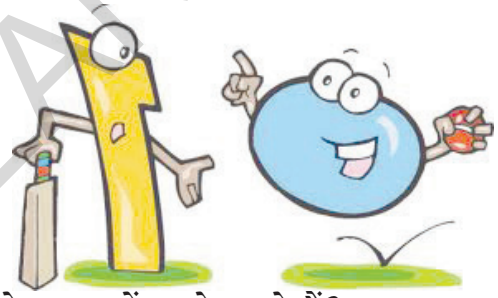

(ई) अपने दोस्त के बारे में लिखिए। उसके कौन-से गुण तुम्हें अच्छे लगते हैं?

.....

.....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. मैं पाठ अपने शब्दों में बता और लिख सकता/सकती हूँ।		
3. मैं अपने निजी अनुभव साथियों को सुना सकता/सकती हूँ।		
4. मैं इससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिख सकता हूँ।		

SCERT TELANGANA

परछाइयाँ ही परछाइयाँ

परछाइयाँ देखिए। नाम बताइए।

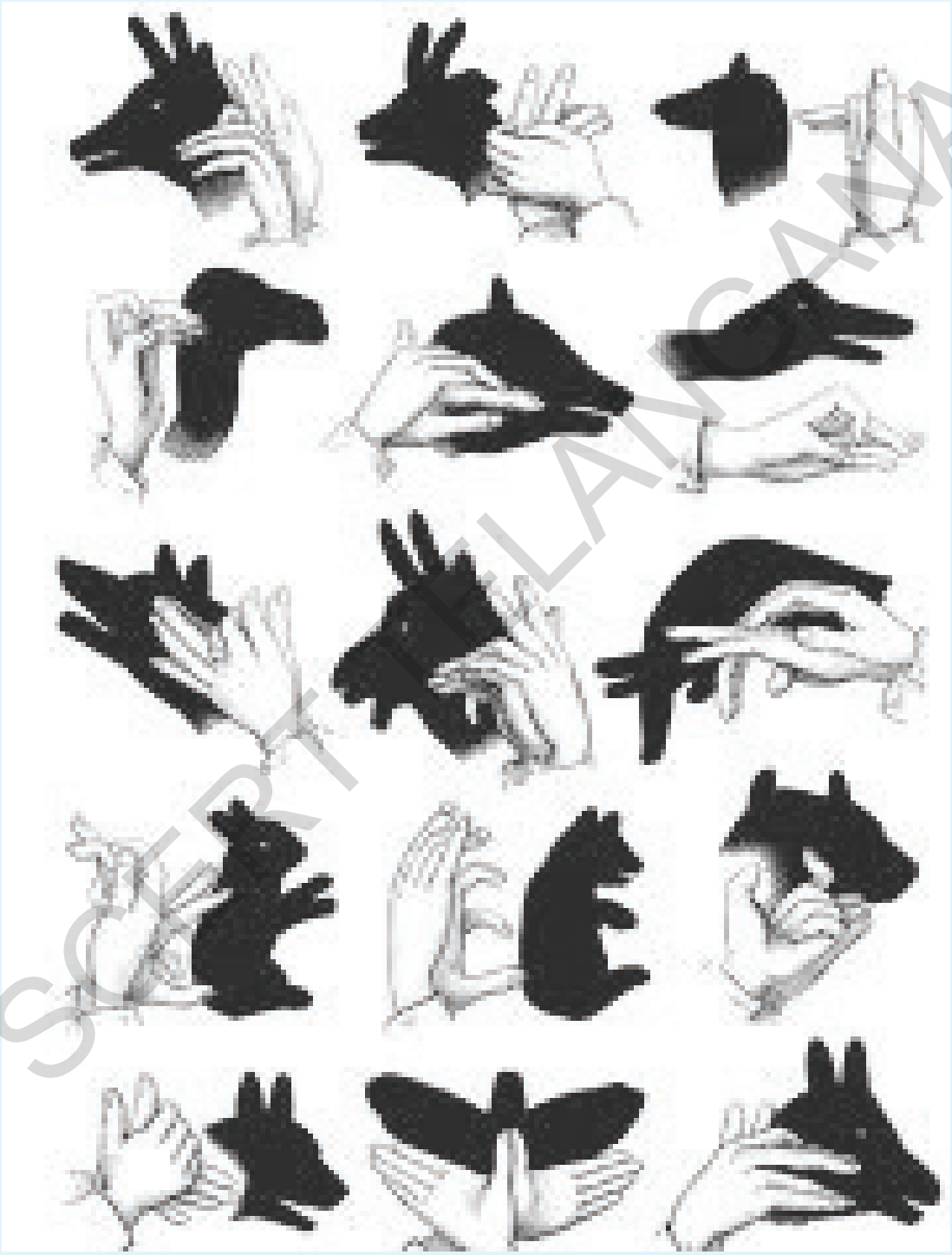

इसी तरह की कुछ और परछाइयाँ बनाइए।

SCERT TELANGANA

किताबें कुछ कहना चाहती हैं...

किताबों में चिड़ियाँ चहचहाती हैं
किताबों में खेतियाँ लहलहाती हैं
किताबों में झरने गुनगुनाते हैं
परियों के किस्से सुनाते हैं।

किताबों में रॉकेट का राज़ है
किताबों में साइंस की आवाज़ है
किताबों का कितना बड़ा संसार है
किताबों में ज्ञान की भरमार है।

क्या तुम इस संसार में
नहीं जाना चाहोगे?
किताबें कुछ कहना चाहती हैं
तुम्हारे पास रहना चाहती हैं।

-सफ़दर हाशमी

SCERT TELANGANA